POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-I (Hons.), Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

सत्ता के आधार

सत्ता का शक्ति, प्रभाव आदि के साथ घनिष्ठ सम्बंध होता है। सत्ता के अनेक आधार होते हैं। इसका सबसे मूल आधार औचित्यपूर्णता है। इसके अलावे विश्वास, विधाओं की एकरूपता, विभिन्न दण्ड-विधान, अधीनस्थों की प्रकृति आदि भी सत्ता के आधार के रूप में कार्य करते हैं। यह भी प्रायः देखा जाता है कि सत्ताधारी की कार्यकुशलता, वैयक्तिक गुण, चतुरता आदि भी सत्ता के आधार के रूप में कार्य करते हैं।

सामान्यतया अधीनस्थ की यह प्रवृत्ति रहती है कि वह प्रत्येक विषय में प्राधिकारी के आदेशों का पालन करें। अधीनस्थ इसका ध्यान अवश्य रखते हैं कि आदेश समस्त संगठन के लिए हितकारी हों तथा उसके व्यक्तिगत हित में भी हों। अधीनस्थ पुरस्कार, प्रशंसा, लालच, दण्ड के भय आदि के कारण भी आदेशों का पालन कर सकता है। सत्ता की स्वीकृति का क्षेत्र असीमित नहीं होता और न ही अपरिवर्तित रहता है।

Scanned with CamScanner